MEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MEC)

सत्रीय कार्य 2025–2026
द्वितीय वर्ष
उन छात्रों के लिये जिन्होंने द्वितीय वर्ष में जनवरी 2024 या उससे पहले प्रवेश लिया था।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय वर्ष
सत्रीय कार्य 2025–2026

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30: है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40: अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपन` बनाई है।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) 31 मार्च 2026 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो जून 2026 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

2) 30 सितंबर 2026 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो दिसम्बर 2026 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेंः

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एमईसीई–003/103: बीमांकिक अर्थशास्त्र : सिद्धांत एवं व्यवहार
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसीई–003 / 103
सत्रीय कार्य कोड : एमईसीई–003/103/एएसटी/2025–26

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड A के प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक हैं, जबकि खंड B के प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक हैं।

खंड A

1. जुआरी का विनाश (Gambler's Ruin) समस्या का वर्णन करें। बताएँ कि आप अनभिनत चाल और अभिनत चाल, दोनों ही स्थितियों में, चाल की अवधि कैसे ज्ञात कर सकते हैं।
2. एकल–अवधि द्विआधारी मॉडल और बहु–अवधि द्विआधारी मॉडल के बीच अंतर स्पष्ट करें। आप द्विआधारी मॉडल कैसे बनाते हैं? सही मूल्य निर्धारण की विधि स्पष्ट करें।

खंड B

3. चरम मूल्य सिद्धांत (EVT) को लागू करने के विभिन्न चरणों की व्याख्या करें।
4. पुनर्बीमा की गणना और आकलन को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।
5. भारत में बीमा क्षेत्र में सुधारों में सहायक कारकों का संक्षिप्त विवरण दें।
6. परिवर्ती वित्तीय विश्लेषण (DFA) के उद्देश्यों और संरचना पर चर्चा करें।
7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें –
   a) प्रीमियम सिद्धांत
   b) ब्लैक–स्कोल्स मॉडल